उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

स्नातक/शास्त्री द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सत्र

पत्र: भारतीय ज्ञान परम्परा (सतत विकास के आयाम)

कोड: VAC-04 (मूल्य योजन पाठ्यक्रम)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित पाठ्यक्रम (सत्र 2026-27 से प्रभावी)

क्रेडिट : 02 पूर्णांक : 100

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम:

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी—

- सतत विकास की संकल्पना, उद्देश्य तथा इसके आयामों को समझ सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित प्रकृति, पर्यावरण एवं संसाधन संरक्षण की अवधारणाओं को पहचान एवं स्पष्ट कर सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा एवं लोक परंपराओं में निहित वन, जल, जैव-विविधता एवं कृषि संरक्षण की पद्धतियों को समझ सकेंगे।
- संयम, पुनःउपयोग, पुनर्चक्रण एवं विवेकपूर्ण संसाधन-उपयोग जैसी भारतीय जीवन-दृष्टियों को सतत विकास के संदर्भ में लागू कर सकेंगे।
- समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों एवं जलवायु परिवर्तन के समाधान में भारतीय ज्ञान प्रणाली की प्रासंगिकता एवं संभावनाओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई	पाठ्यविषय/ विवरण
1	• सतत विकास : अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य • सतत विकास के समकालीन आयाम : पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक • संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य : आधारभूत परिचय • भारतीय ज्ञान प्रणाली और सतत विकास लक्ष्यों के बीच अंतर्संबंध • भारतीय जीवन-दर्शन में संयम, संतुलन एवं उत्तरदायित्व की भावना • पुनःउपयोग, पुनर्चक्रण एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की पारंपरिक दृष्टि • आधुनिक उपभोक्तावाद की चुनौतियाँ और भारतीय संयम-आधारित जीवन-दृष्टि
2	• वन संरक्षण : भारतीय सांस्कृतिक परंपराएँ • पवित्र उपवन एवं पारंपरिक संरक्षण प्रणाली • जैव-विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण की भारतीय अवधारणा • जल संरक्षण की भारतीय परंपरा : कुएँ, बावड़ी, तालाब, सरोवर एवं जलाशय • भारतीय लोक परंपराओं में पर्यावरणीय संरक्षण (उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में) • जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली • भारतीय ज्ञान प्रणाली आधारित सतत विकास की भावी दिशा

सन्दर्भ सूची:

- महादेवन, बी., भट्ट, वी. आर. एवं विनायक, नागेन्द्र, भारतीय ज्ञान प्रणालियों का परिचय: अवधारणाएँ और अमल। पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।
- अल्टिएरी, एम. ए., कृषि पारिस्थितिकी: सतत कृषि का विज्ञान। सीआरसी प्रेस।
- सिंह, उमेश कुमार, भारतीय ज्ञान परंपरा: बोध। मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादेमी।
- पाण्डेय, कामता प्रसाद, भारद्वाज, अमित एवं पाण्डेय, आशा, पर्यावरण शिक्षा एवं भारतीय संदर्भ। विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- रोजर्स, पी., जलाल, के. एफ. और बॉयड, जे. ए., सतत विकास का परिचय। रूटलेज।
- सेज, जे. डी., सतत विकास का युग। कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस।
- कपूर, कपिल एवं सिंह, ए. के. भारतीय ज्ञान परंपरा। डी.के. प्रिंटवर्ल्ड, नई दिल्ली।
- सोनी, सुरेश, भारत में विज्ञान की परंपरा। अर्चना प्रकाशन, भोपाल।
- सिन्हा, हरेन्द्र प्रसाद, भारतीय दर्शन की रूपरेखा। मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।

.....